

वर्ष 2014-15 की बजट घोषणाओं की क्रियान्विति रिपोर्ट माह 05/2022

क्र.सं.	पैरा सं.	बजट घोषणा	क्रियान्विति
1.	54.0.0	राज्य सरकार ने यह भी तय किया है कि गंगा नहर परियोजना, सिद्धमुख नहर सिंचाई परियोजना, भाखड़ा नहर प्रणाली एवं अमरसिंह सब ब्रांच परियोजना के शेष रहे खालों का भी निर्माण करवाया जावे	इस घोषणा की क्रियान्विति पूर्ण हो चुकी है।
1(अ)	54.1.0	गंगा नहर परियोजना के फंड द्वितीय में 44,875 है. में 185 करोड़ रु. की लागत से पक्के खालों के निर्माण कार्य हेतु डीपीआर तैयार की जा रही है।	इस घोषणा की क्रियान्विति पूर्ण हो चुकी है। इस परियोजना की डीपीआर सीएडीडब्ल्यूएम कार्यक्रम के तहत शामिल किए जाने की स्वीकृति केन्द्र सरकार के जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा पुनरोद्धार मंत्रालय (एसपी विंग) के पत्रांक एन 19011/4/2015 सीएडीडब्ल्यूएम दिनांक 28.09.15 द्वारा 44875 हैक्टेयर क्षेत्र में रुपये 148.74 करोड़ की लागत से पक्का खाला निर्माण कार्य हेतु जारी की जा चुकी है। परियोजना का स्कोप बढ़ाकर 117975 हैक्टेयर एवं लागत रु 353.40 करोड़ स्वीकृत कर दी गई है। परियोजना के अन्तर्गत पक्का खाल निर्माण कार्य प्रगति पर है एवं दिनांक 31.05.2022 तक 78370 है0 क्षेत्र में रुपये 483.53 करोड़ की लागत से कार्य पूर्ण किये जा चुके हैं एवं शेष कार्य वर्ष 2023-24 तक पूर्ण किये जाने सम्भावित हैं। इस परियोजना से श्रीगंगानगर जिला लाभान्वित होगा।
1(ब)	54.2.0	सिद्धमुख नहर सिंचाई परियोजना में 23,822 है. में 115 करोड़ की लागत से पक्के खालों के निर्माण कार्य करवाये जायेंगे।	इस घोषणा की क्रियान्विति की जा रही है। इस परियोजना के शेष क्षेत्र 23822 हैक्टेयर क्षेत्र में से 05/2022 तक रु. 1236.00 लाख की लागत से 7482 हैक्टेयर क्षेत्र में कार्य पूर्ण करवाए जा चुके हैं। वर्ष 2016-17 में भारत सरकार द्वारा CADWM कार्यक्रम बन्द किये जाने के कारण केन्द्रीय सहायता प्राप्त नहीं हो रही है एवं प्रगतिरत कार्यों को राज्य सरकार द्वारा वित्तीय पोषण कर पूर्ण करवाया जा रहा है। बजट घोषणा 2021-22 के अन्तर्गत SLEC की दिनांक 02.07.2021 को सम्पन्न बैठक में शेष निर्माण कार्य करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। परियोजना के शेष 21099 हैक्टेयर में ओएफडी कार्यों हेतु ISBIG कार्यक्रम के तहत रुपये 121 करोड़ लागत से डीपीआर बनाकर अक्टूबर 2017 में भारत सरकार को स्वीकृति हेतु प्रस्तुत की गई है।
1(स)	54.3.0	अमरसिंह सब ब्रांच परियोजना में 11,720 है. में 55 करोड़ रु. की लागत से पक्के खालों के निर्माण कार्य करवाये जायेंगे।	इस घोषणा की क्रियान्विति प्रगति पर है। इस परियोजना के शेष क्षेत्र 11720 है0 क्षेत्र में 05/2022 तक रु. 972.15 लाख की लागत से 5616 है0 क्षेत्र में कार्य पूर्ण करवाए जा चुके हैं। वर्ष 2016-17 में भारत सरकार द्वारा CADWM कार्यक्रम बन्द किये जाने के कारण केन्द्रीय सहायता प्राप्त नहीं हो रही है एवं प्रगतिरत कार्यों को राज्य सरकार द्वारा वित्तीय पोषण कर पूर्ण करवाया जा रहा है। बजट घोषणा 2021-22 के अन्तर्गत SLEC की दिनांक 02.07.2021 को सम्पन्न बैठक में शेष निर्माण कार्य करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। परियोजना के शेष 9149 हैक्टेयर में ओएफडी कार्यों हेतु ISBIG कार्यक्रम के तहत रुपये 51 करोड़ लागत से डीपीआर बनाकर अक्टूबर 2017 में भारत सरकार को स्वीकृति हेतु प्रस्तुत की गई है।

1(द)	54.4.0	भाखड़ा नहर प्रणाली की जहाँ नहरे पक्के हो चुकी है उसके 1,13,420 है। में 451 करोड़ की लागत से पक्के खालों के निर्माण कार्य हेतु डीपीआर बनाई जायेगी।	<p>इस धोषणा की क्रियान्विति प्रगति पर है।</p> <p>भाखड़ा नहर परियोजना की डी.पी.आर सीएडी डब्ल्यूएम कार्यक्रम में शामिल किये जाने की स्वीकृति केन्द्र सरकार के जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा Rejuvenation मंत्रालय (एसपी विंग) के पत्रांक एन 19011/3/2015 सीएडीडब्ल्यूएम दिनांक 28.09.2015 द्वारा 1,13,420 है0 क्षेत्र में रु. 370.88 करोड़ की लागत से पक्का खाला निर्माण कार्य हेतु जारी की जा चुकी है।</p> <p>इस परियोजना के अन्तर्गत पक्का खाला निर्माण कार्य प्रगति पर है एवं 05/2022 तक 61529 है0 में रुपये 178.75 करोड़ की लागत से कार्य पूर्ण किये जा चुके है। भाखड़ा नहर प्रणाली के अन्तर्गत सदूलशहर-श्रीगंगानगर में खालों के निर्माण की बजट घोषणा वर्ष 2022-23 में की गई है।</p> <p>वर्ष 2016-17 में भारत सरकार द्वारा CADWM कार्यक्रम बन्द किये जाने के कारण केन्द्रीय सहायता प्राप्त नहीं हो रही है एवं प्रगतिरत कार्यों को राज्य सरकार द्वारा वित्तीय पोषण कर पूर्ण करवाया जा रहा है। परियोजना के शेष 87689 हैक्टेयर में ओएफडी कार्यों हेतु ISBIG कार्यक्रम के तहत रुपये 358 करोड़ लागत से डीपीआर बनाकर अक्टूबर 2017 में भारत सरकार को स्वीकृति हेतु प्रस्तुत की गई है।</p>
------	--------	---	--

वर्ष 2015-16 की बजट घोषणाओं की क्रियान्विति रिपोर्ट:- (माह 05/2022)

1.	87.7.0	आगामी वर्ष में कोटा, बूंदी, टोंक, श्रीगंगानगर तथा हनुमानगढ़ जिले में 53612 है. में 118 करोड़ की लागत से पक्के खालों का निर्माण कार्य प्रारम्भ कर 40 हजार है. क्षेत्र में इसे पूरा करवाया जायेगा।	<p>इस धोषणा की क्रियान्विति पूर्ण हो चुकी है।</p> <p>श्रीगंगानगर तथा हनुमानगढ़ जिलों में इस वर्ष में पक्का खाला निर्माण लक्ष्य 40,000 हैक्टेयर के विरुद्ध माह मार्च 2016 तक गंगानहर परियोजना फेज-1 में 32609 है0, सिद्धमुख नोहर सिंचाई परियोजना में 1146 है0, अमरसिंह सब ब्रांच परियोजना में 1994 है0, भाखड़ा नहर परियोजना में 6013 है0 एवं गंगा नहर परियोजना फेज-1 में 1389 है0 कुल 43151 है. में पक्का खाला निर्माण कार्य करवाया जा चुका है।</p>
----	--------	--	--

माननीय मुख्यमंत्री द्वारा बीकानेर संभाग के दौरे के दौरान की गई घोषणा की क्रियान्विति:- (माह 05/2022)

7.	117-0	अन्तराष्ट्रीय सीमा से संलग्न 0 से 5 किमी परिधि में विद्यमान पानी के कच्चे खालों को पक्का किया जावेगा	<p>इस धोषणा की क्रियान्विति प्रगति पर है।</p> <p>अन्तराष्ट्रीय सीमा से संलग्न 0 से 5 किमी परिधि में आने वाले क्षेत्र हेतु गंगा नहर परियोजना फेज-1 को सीएडी डब्ल्यूएम कार्यक्रम के तहत शामिल किये जाने की स्वीकृति केन्द्र सरकार के जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा Rejuvenation मंत्रालय (एसपी विंग) के पत्रांक एन 19011/4/2015 सीएडीडब्ल्यूएम दिनांक 28.09.2015 द्वारा 44875 है0 क्षेत्र में रु. 146.74 करोड़ की लागत से पक्का खाला निर्माण कार्य हेतु जारी की जा चुकी है। परियोजना के अन्तर्गत पक्का खाला निर्माण कार्य प्रगति पर है। दिनांक 31.05.2022 तक 78370 है0 क्षेत्र में रुपये 463.53 करोड़ की लागत से कार्य पूर्ण किए जा चुके है एवं शेष कार्य वर्ष 2023-24 तक पूर्ण किए जाने सम्भावित है। इस परियोजना से श्रीगंगानगर जिला लाभान्वित</p>
----	-------	--	---

			होगा।
--	--	--	-------

वर्ष 2017-18 की बजट घोषणाओं की क्रियान्विति रिपोर्ट:-(माह 05/2022)

क्र.सं.	पैरा सं.	बजट घोषणा	क्रियान्विति
1	1133.01.0 (2017-18)	आगामी वित्तीय वर्ष 2017-18 में माही, पांचना, चवली, छापी गभीरी, जवाई, भाखड़ा फेज-2 एवं गंगनहर फेज-3 के नहर प्रणाली क्षेत्रों में पक्के खालों का निर्माण प्रारम्भ करवाया जायेगा, जिससे 3 लाख 56 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में किसानों को सिंचाई की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।	इस संगठन के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा दिनांक 31.08.17 द्वारा Incentivisation Scheme for Bridging Irrigation Gap (ISBIG) योजना की जारी गाइडलाईन के अनुसार गंगनहर परियोजना फेज-तृतीय (सीसीए 146644 हैक्टेयर लागत रू0 631 करोड़) भाखड़ा परियोजना फेज-प्रथम (सीसीए 87689 हैक्टेयर लागत रू0 358 करोड़) भाखड़ा परियोजना फेज-द्वितीय (सीसीए 179138 हैक्टेयर लागत रू0 718 करोड़) सिद्धमुख नोहर सिंचाई परियोजना (सीसीए 21099 हैक्टेयर लागत रू0 121 करोड़) अमर सिंह सब ब्रांच परियोजना (सीसीए 9149 हैक्टेयर लागत रू0 51 करोड़) की डीपीआर तैयार कर इस कार्यालय के पत्रांक स्पेशल-1 दिनांक 26.09.17 द्वारा मुख्य अभियन्ता(पूर्व(सीएडी जयपुर को प्रस्तुत की गई है। इन डीपीआर को स्वीकृति हेतु भारत सरकार के स्तर पर प्रक्रियाधीन है।

वर्ष 2018-19 की बजट घोषणाओं की क्रियान्विति रिपोर्ट:-(माह 05/2022)

क्र.सं.	पैरा सं.	बजट घोषणा	क्रियान्विति
1	33.0.0 (2018-19)	सिंचित क्षेत्र विकास विभाग के माध्यम से चम्बल, बीसलपुर, गंगनहर, भाखड़ा नहर, सिद्धमुख नोहर एवं अमरसिंह सब ब्रांच परियोजना पर अगामी वर्ष में रुपये 220 करोड़ का व्यय प्रस्तावित है।	इस संगठन के अन्तर्गत गंगानगर, हनुमानगढ़ एवं चुरु जिलों में गंगनहर, भाखड़ा नहर परियोजना, सिद्धमुख नोहर सिंचाई परियोजना, अमर सिंह सब ब्रांच परियोजना में वर्ष 2018-19 हेतु पक्का खाला निर्माण हेतु रुपये 75 करोड़ का बजट प्रावधान किया गया था। वित्तीय वर्ष 2018-19 में लगभग रुपये 73.60 करोड़ के कार्य पूर्ण करवाये जा चुके हैं।

वर्ष 2021-22 की बजट घोषणाओं की क्रियान्विति रिपोर्ट:-(माह 05/2022)

क्र.सं.	पैरा सं.	बजट घोषणा	क्रियान्विति
1	37.0.0 (2021-22)	अमर सिंह ब्रान्च व सिद्धमुख नहर (हनुमानगढ़) के मरम्मत कार्य व बकाया खालों के निर्माण कराये जायेंगे।	1. सिद्धमुख नहर परियोजना के शेष क्षेत्र 19778 हेक्टेयर में से 3802 हेक्टेयर क्षेत्र में रू 5.93 करोड़ व्यय कर खाला निर्माण पूर्ण किया गया है। 2. अमर सिंह सबब्रान्च परियोजना के शेष क्षेत्र 5211 हेक्टेयर में से 1514 हेक्टेयर में रू 0.22 करोड़ व्ययकर खाला निर्माण पूर्ण किया गया है।

वर्ष 2022-23 की बजट घोषणाओं की क्रियान्विति रिपोर्ट:-(माह 05/2022)

क्र.सं.	बिंदु संख्या	बजट घोषणा	क्रियान्विति
1	75	सादुलशहर - श्रीगंगानगर में पक्के खालों का निर्माण किया जायेगा।	डॉ. पी. आर तैयार कर अतिरिक्त सचिव एवं मु.अ. (पुर्व) जयपुर को दिनांक 08.04.2022 को प्रस्तुत कर दी गई है। तत्पश्चात आक्षेपों की पूर्ति कर पुनः क्रमांक 2100-02 दिनांक 19.05.2022 को प्रस्तुत की गई है।